



# विकास पथ

सितम्बर - दिसम्बर 2014

मुंबई रेलवे विकास कोर्पोरेशन

क्र. सं.	विषय सूची	पृष्ठ सं.
1.	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	2
2.	निदेशक (परियोजना) का संदेश	3
3.	निदेशक (वित्त) का संदेश	3
4.	संपादकीय – मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी	4
5.	पंचगनी ट्रेनिंग	5
6.	अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन	7
7.	राजभाषा सप्ताह	8
8.	मुंबई सीएसटी से मानखूद के बीच ओएचई मोडिफिकेशन ।	11
9.	जोगेश्वरी बुकिंग ऑफीस में इनर्वटर तकनीक आधारित एयर कंडीशनर्स ।	13
10.	गोरेगांव स्टेशन पर नई आर आर आई	15
11.	उड्डयन पुल (आरओबी) मुंब्रा	16
12.	“स्वच्छ भारत अभियान”	18
13.	सर्तकता जागरूक सप्ताह	19
14.	जरा दिल खोलकर हँसिए	21
15.	सोशल नेटवर्किंग : वरदान या अभिशाप (प्रथम पुरस्कृत निबंध -अधिकारी वर्ग )	23
16.	कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी व संपोषणीयता (सीएसआर व एस)	25
17.	एम्पलाई ऑफ द मंथ	28
18.	कविताएं	33
19.	श्रद्धांजली	34



## अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश



साथियों,

बड़े हर्ष की बात है कि एमआरवीसी की त्रैमासिक गृह पत्रिका 'विकास पथ' के वर्तमान अंक का प्रकाशन किया जा रहा है ।

हिन्दी देश की राष्ट्रभाषा है । यह वह भाषा है जो संपूर्ण देश वासियों को एक सूत्र में बाँधती है । आज हम सभी गर्व से कहते हैं कि हम हिन्दी भाषी हैं । चीनी के बाद हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जानी वाली भाषा है ।

कार्यालय के अधिकांश अधिकारी एवं कर्मचारी हिन्दी में प्रवीण हैं। सूचना प्रौद्योगिकी की इस दौड़ में सभी कार्यालयों में काम-काज अधिकांशतः कम्प्यूटरों पर हिन्दी में ही किया जा रहा है । भाषा राष्ट्र के लिए क्यों आवश्यक है ? भाषा राष्ट्र की एकता अखंडता तथा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । यदि राष्ट्र को सशक्त बनाना है तो सम्पूर्ण एक भाषा का होना बहुत जरूरी है । इससे धार्मिक तथा सांस्कृतिक एकता बढ़ती है । यह स्वतंत्र तथा समृद्ध राष्ट्र के लिए आवश्यक है । इसलिए प्रत्येक विकसित तथा स्वाभिमानी देश की अपनी एक भाषा अवश्य होती है जिसे राष्ट्र भाषा का गौरव प्राप्त होता है ।

पत्रिका में साहित्य रचनाओं एवं कार्यालयीन ज्ञान गतिविधियों के अलावा विभिन्न विषयों को शामिल किया जाए । जिससे इसकी उपयोगिता को और अधिक से अधिक बढ़ाया जा सके ।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

(प्रभात सहाय)  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

## संदेश

विचारों को व्यक्त करने के लिए उसे भाषा की आवश्यकता होती है अतः हम यह कह सकते हैं कि जिन ध्वनियों द्वारा मनुष्य आपस में विचार विनिमय करता है उसे भाषा कहते हैं। इसे हम इस प्रकार भी कह सकते हैं कि भाषा सार्थक ध्वनियों का समूह है जो हमारी अभिव्यक्ति का साधन हो उसे हम भाषा कहते हैं। हमारे कार्यालय में राजभाषा पत्रिका विकास पथ का प्रकाशन त्रैमासिक किया जाता है। पत्रिकाओं के माध्यम से हम अपने विचार आसानी से दूसरों तक पहुंचा सकते हैं। इससे जहाँ एक ओर कर्मचारियों को हिन्दी में कार्य करने के प्रति रुचि जागृत होगी, वहीं उनकी साहित्यिक प्रतिभा को भी उजागर किया जा सकेगा। हमारी योजनाएं तभी सफल होती हैं जब आम जनता द्वारा उनकी सराहना की जाती है अपने कार्यकलापों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के लिए हमें जन भाषा को ही उपयोग में लाने होंगे।

मुझे विश्वास है 'विकास पथ' का यह अंक सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।



(आर एस खुराना)



## संदेश

हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है तथा देश में इसके विकास और उत्थान के लिए युवावर्ग की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। भविष्य में उनके हाथों में देश की बागडोर होगी। इसलिए उनकी भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। हिन्दी अपने देश में ही दम तोड़ती नज़र आ रही है। परन्तु यदि युवावर्ग चाहे, तो स्थिति बदल सकती है।

हिन्दी में लिखी बात भावों को व्यक्त करने में कारगर होती है तथा एक देश के लिए उसकी राष्ट्रभाषा का बहुत महत्व है।

इसी प्रकार से पत्रिका आगे भी नियमित रूप से प्रकाशित होती रहे इसके लिए मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।



(बी.के. मेहरा)

वित्त सलाहकार  
एवं

मुख्य लेखा अधिकारी -I



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



## संपादकीय

‘विकास पथ’ के माध्यम से, अपने विचार अभिव्यक्त करने में मुझे बहुत ही आनंद की अनुभूति हो रही है। इस पत्रिका में एमआरवीसी के विभिन्न गतिविधियों को सचित्र वर्णन किया गया है तथा अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा लिखित अनेक लेख व कविताएं प्रकाशित की जा रही हैं।

मेरा ऐसा मानना है कि इस त्रैमासिक पत्रिका के माध्यम से आप सभी पाठकों को साहित्य सृजन के लिए प्रेरणा मिलती है। मैं आप सभी से यह अनुरोध करना चाहती हूँ कि अपना कार्यालयीन कार्य हिंदी में करें।

आप सभी पाठकों से मेरा अनुरोध है कि पत्रिका को बहुरंगी, बहुआयामी और सुपठनीय बनाने के लिए अपने बहुमूल्य विचारों से हमें अवगत कराएं।

अ. मिश्रा

(अलका मिश्रा)

मुख्य राजभाषा अधिकारी

एवं

मुख्य कार्मिक अधिकारी



क्रिसमस का उमंग और उत्साह हमेशा आपके जीवन को खुशियों से सराबोर रखे  
**मेरी क्रिसमस**



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

## पंचगनी ट्रेनिंग

एमआरवीसी द्वारा दिनांक 01 नवम्बर 2014 से 03 नवम्बर 2014 तक पंचगनी के एम.आर.ए. (मोरल रि-एरमामेंट सेंटर पर अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए 'एथिकल लिडरशीप इन पब्लिक गवैनेस' पर तीन दिन की ट्रेनिंग का आयोजन किया गया, जिसमें निदेशक परियोजना सहित 22 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया ।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



## अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन

एमआरवीसी द्वारा दिनांक 5 नवम्बर 2014 को तीसरे अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया गया जिसका विषय था "मेगासिटी-अर्बन मोबिलिटी ऑप्शन"। यह आयोजन वाय.बी.चव्हान हाल में आयोजित किया गया ।

इस आयोजन के अवसर पर श्री यू.पी.एस.मदान मेट्रोपालिटिन कमिशनर/ एमएमआरडीए श्री अतुल अग्रवाल, ट्रांसपोर्ट स्पेसलिस्ट / वर्ल्ड बैंक, श्री एस.के. सूद महाप्रबंधक/मध्य रेलवे, श्री हेमंत कुमार, महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे एवं श्री राकेश सक्सेना अध्यक्ष व प्रबंधक निदेशक /एमआरवीसी ने अधिवेशन का उद्घाटन किया एवं उपस्थित मेहमानों को संबोधित किया ।

इस अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य, मुंबई सबर्बन की अर्बन मोबिलिटी तकनीक वित्तीय और पब्लिक परसेप्शन/एक्सपेक्टेडेशन के लिए पॉलिसी तैयार करना और उसे निष्पादित करना था ।

इस अधिवेशन में प्रोमिनेंट नेशनल/इंटरनेशनल स्टेक होल्डर एमएमआरसी/एमएमआरडीए, बॉम्बे फर्स्ट, एल एंड टी मेट्रो एलसम एक्सोनिक्स बोम्बारडियर ट्रांसपोर्टेशन, फ्रेशर सेन्सोटेकनीक जीएमबीएच, मैसर्स पीडब्ल्यूसी, मैसर्स ई एंड वाई मैसर्स लासा एचएएस एडवोकेट जेआईसी, आईएनईसीओ एंड प्रोइंटेक सर जे.जे.स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर इत्यादि के प्रतिनिधियों ने भाग लिया । विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अपने-अपने विचार इस अधिवेशन में प्रस्तुत किये ।

(प्रभात रंजन)

मुख्य परिचालन प्रबंधक



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



## राजभाषा सप्ताह

एमआरवीसी द्वारा दिनांक 15.09.2014 से 19.09.2014 तक राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया।

दिनांक 15.09.2014 को माननीय प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर राजभाषा सप्ताह का आरंभ किया गया। इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा हिन्दी दिवस संदेश का वाचन किया गया। तत्पश्चात निदेशक तकनीकी द्वारा माननीय गृह मंत्री का राजभाषा दिवस संदेश एवं निदेशक परियोजना द्वारा वाचन किया गया। इस अवसर पर गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा के प्रोत्साहन के लिए जारी एक लघु फिल्म भी दिखाई गयी।

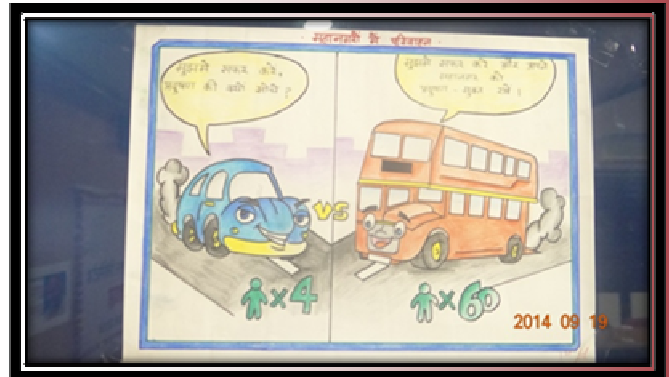


इस अवसर पर मध्य रेलवे के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. एम.बी. गाँगुर्डे द्वारा “बिना औषधि दिल के दौरे की रोकथाम तथा बिना औषधि आजीवन निरोगी रहने” जैसे महत्वपूर्ण विषय पर व्याख्यान दिया एवं प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभी को भली-भाँति समझाया। व्याख्यान के पश्चात डा. गाँगुर्डे ने श्रोताओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर भी दिया। सभी अधिकारी व कर्मचारी इस व्याख्यान से बहुत प्रभावित हुए।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

दिनांक 16.09.2014 को एमआरवीसी के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए “सोशल नेटवर्किंग वरदान या अभिशाप” एवं बच्चों के लिए ‘मोबाइल से लाभ और हानियाँ’ विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया । दिनांक 16.09.2014 को ही अधिकारियों व कर्मचारियों के बच्चों के लिए दो ग्रुप (10 से 15 वर्ष व 10 वर्ष से कम) बनाकर ‘पोस्टर प्रतियोगिता’ का आयोजन किया गया । इन सभी प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों व बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया ।



दिनांक 18.09.2014 को निबंध के विषय अर्थात ‘सोशल नेटवर्किंग वरदान या अभिशाप’ पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसमें कर्मचारियों के साथ-साथ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया । तत्पश्चात “सामाजिक चेतना में मीडिया की भूमिका” जैसे गंभीर विषय पर वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें प्रतियोगियों ने अपना पक्ष बहुत ही प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया ।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

दिनांक 19.09.2014 को श्री राकेश सक्सेना, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा सप्ताह समापन समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें श्री नरेश चंद्रा, निदेशक तकनीकी, श्री आर एस खुराना, निदेशक परियोजना श्री बी.के. मेहरा, निदेशक वित्त के अलावा सभी विभागाध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर राजभाषा प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। जिसमें राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा और सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रत्येक प्रश्न के सही उत्तर देने पर पुरस्कार स्वरूप रु. 50/- नकद प्रदान किये गए। अधिकारियों/कर्मचारियों ने इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

राजभाषा सप्ताह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं के पुरस्कार वितरण कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। तत्पश्चात श्रीमती अलका अ. मिश्रा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी के अनुरोध पर अध्यक्ष महोदय के कर-कमलों से एमआरवीसी की त्रैमासिक राजभाषा पत्रिका “विकास पथ” के जुलाई-सितंबर अंक का विमोचन किया गया।



कार्यक्रम का संचालन श्रीमती स्मृति जेकब, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही राजभाषा सप्ताह का समापन किया गया।



**मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014**



## मुंबई सीएसटी से मानखुर्द के बीच ओएचई मोडिफिकेशन ।

- मानखुर्द से मुंबई सीएसटी के मध्य एवं किंग्स सर्कल पर 12 डिब्बों की गाड़ी के लिए प्लेटफार्म की लंबाई 70 मीटर बढ़ाई जा रही है । जिसके लिए ओएचई मोडिफिकेशन (नविनीकरण) का कार्य गया है।
- मुंबई में विस्तारीकरण एक बहुत बड़ी समस्या है और तब जबकि वह एक विकसित रेलवे स्टेशन के पास करना है । इन कठिन वश परिस्थितियों में जब यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफार्म की लंबाई 70 मीटर बढ़ाकर 12 डिब्बे की लोकल ट्रेन के लिए करना हो और एच बी लॉइन्स एक कठिन कार्य था । प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ाने के लिए जगह की व्यवस्था हो जाने के बाद भी यह एक बहुत बड़ी समस्या थी कि ओएचई स्ट्रक्चर एवं ओएचई सामग्री को बढ़ाये गये प्लेटफार्म पर कहाँ लगाया जाए ताकि यात्रियों की सुरक्षा पर कोई प्रभाव न पड़े और न ही उन्हें कोई असुविधा हो परंतु एमआरवीसी की प्रोजेक्ट ऑर्गेनाइजेशन ने इस कार्य को बहुत ही निपुणता के साथ पूरी योजना बनाकर



इसे कार्यान्वित किया और रेलवे और मुंबई कर के लिए इस सुविधा का लाभ उठाने हेतु सुनिश्चित किया । हालांकि कार्य अभी बाकी है, परंतु हमारी योजना कार्यान्वित करने हेतु पूर्णतः तैयार है ।

- लोकल यात्रियों की सुरक्षा के लिए ओएचई इक्युपमेंट्स का नविनीकरण आवश्यक है ।
- ओएचई सामग्री की सुरक्षा एवं अन्य रेलवे प्रापर्टी को विधुत के खतरे से बचाना ।
- पुराने ओएचई (सम्पत्ति) को विश्वस्तरीय विकसित से बदलना (रिप्लेस करना) जो कि 1500 बोल्ट्स के टीआरडी सिस्टम और वर्तमान 25000 वोल्ट एसी टीआईडी सिस्टम को भी सूट करें ।
- यात्रियों को सुविधा को ध्यान में रखते हुए ओएचई को एक पुल से दूसरे पुल तक एवं क्रास ओवर करना एवं वर्तमान प्लेटफार्म से नये प्लेटफार्म तक बढ़ाने का कार्य बिना किसी असुविधा के किया गया । ओएचई युनिट ने यह कार्य बहुत ही निष्ठापूर्वक पूर्ण किया ।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



- ओएचई कार्य सेंडहस्ट रोड (जो कि हाई लेवल प्लेटफार्म है । शिवडी, चूनाभट्टी, तिलक नगर, चेंबूर, गोवंडी, मानखूर्द व किंग्स सर्कल) स्टेशनों पर पूर्ण किया जा चुका है । इन् स्टेशनों पर 12 डिब्बों की लोकल बिना व्यवधान के रूक सकती है। मुंबई सीएसटी डाक यार्ड रोड, रे-रोड, वडलारोड और कुर्ला स्टेशन पर ओएचई का कार्य प्रगति पर है ।
- इन ही के साथ रे-रोड, वडाला रोड, चेंबूर, किंग्स सर्कल और मानखूर्द स्टेशनों पर अतिरिक्त पादचारी पुलों का निर्माण भी किया जा रहा है । ओएचई यूनिट के लिए यह भी एक चुनौती है कि न केवल ओएचई संपत्ति को मेंटेन करना है अपितु यात्रियों एवं संपत्ति की सुरक्षा को भी ध्यान में रखना है, और हम इस कार्य में सफलता हासिल कर रहे हैं।

(के. एस. कपूर)  
(मुख्य बिजली इंजी. (परियोजना )



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

## जोगेश्वरी बुकींग ऑफीस में इन्वर्टर तकनीक आधारित एयर कंडीशनर्स ।

ऑफीस अथवा घर के लिए एयर कंडीशनर खरीदना बहुत कठिन निर्णय है, इसलिए नहीं कि एयर कंडीशनर की कीमत अधिक होती है । अपितु इसलिए की इसका सबसे अधिक प्रभाव विधुत बिल पर पड़ता है । यह प्रभाव नियंत्रित किया जा सकता है यदि सही तकनीक उपयोग की जाये सही रख-रखाव किया जाये व सही रोधन (इन्स्यूलेशन) उस कक्ष में किया जाए जहाँ पर एयर कंडीशनर लगाना है । कुछ समय पूर्व बीईई ने एयर कंडीशनरों के 1 से 5 तक स्टार तक के लेवल दिये जो बिजली की बचत को दर्शाते हैं । सबसे नयी और किफायती तकनीक जो एयर कंडीशनर के लिए बाजार में उपलब्ध है वो इन्वर्टर तकनीक है । इन्वर्टर तकनीक की रचना इस प्रकार की गयी है कि यह 30-50% की बचत (यूनिट की खपत) सामान्य एयर कंडीशनर के मुकाबले करता है ।

### सामान्य एयर कंडीशनर की कार्य -

इसमें एसी कक्ष के अंदर की हवा को खींचकर उसे वाष्पीकरण यंत्र के ऊपर बहाकर ठंडा करके पुनः कक्ष में फैलाता है । कम्प्रेसर गैस को कम्प्रेस करके वाष्पीकरण यंत्र द्वारा को कमरे की हवा को ठंडा करता है । इस क्रिया में कम्प्रेसर या चालु होता ही या बंद । जब कम्प्रेसर चालु होता है तो वह पूर्ण प्रभाव से विधुत की खपत करता है जब तक की कक्ष का तापमान प्रीसेट तापमान तक न पहुंचे । तत्पश्चात कम्प्रेसर बंद हो जाता है और केवल फैन चलता रहता है । जब ताप नियंत्रक में तापमान बढ़ जाता है तो कम्प्रेसर पुनः चालु हो जाता है ।

### इन्वर्टर एयर कंडीशन की प्रक्रिया:-

यह कार के एक्सीलरेटर की तरह पर कार्य करता है । जब कम्प्रेसर को अधिक पावर की आवश्यकता होती है तब यह अधिक पावर देता है एवं जब कम पावर की आवश्यकता होती है तब कम पावर देता है । इस तकनीक में कम्प्रेसर लगातार चालु रहता है एवं तापमान नियंत्रक के आधार पर कम अथवा अधिक पावर सप्लाई करता है । यह तकनीक जापान में विकसित हुई एवं इसका प्रयोग फ्रीज व एयर कंडीशनर में सफलता पूर्वक किया जा रहा है वर्तमान में भारत में यह तकनीक स्पीलट एसी में इस्तेमाल की जा रही है ।

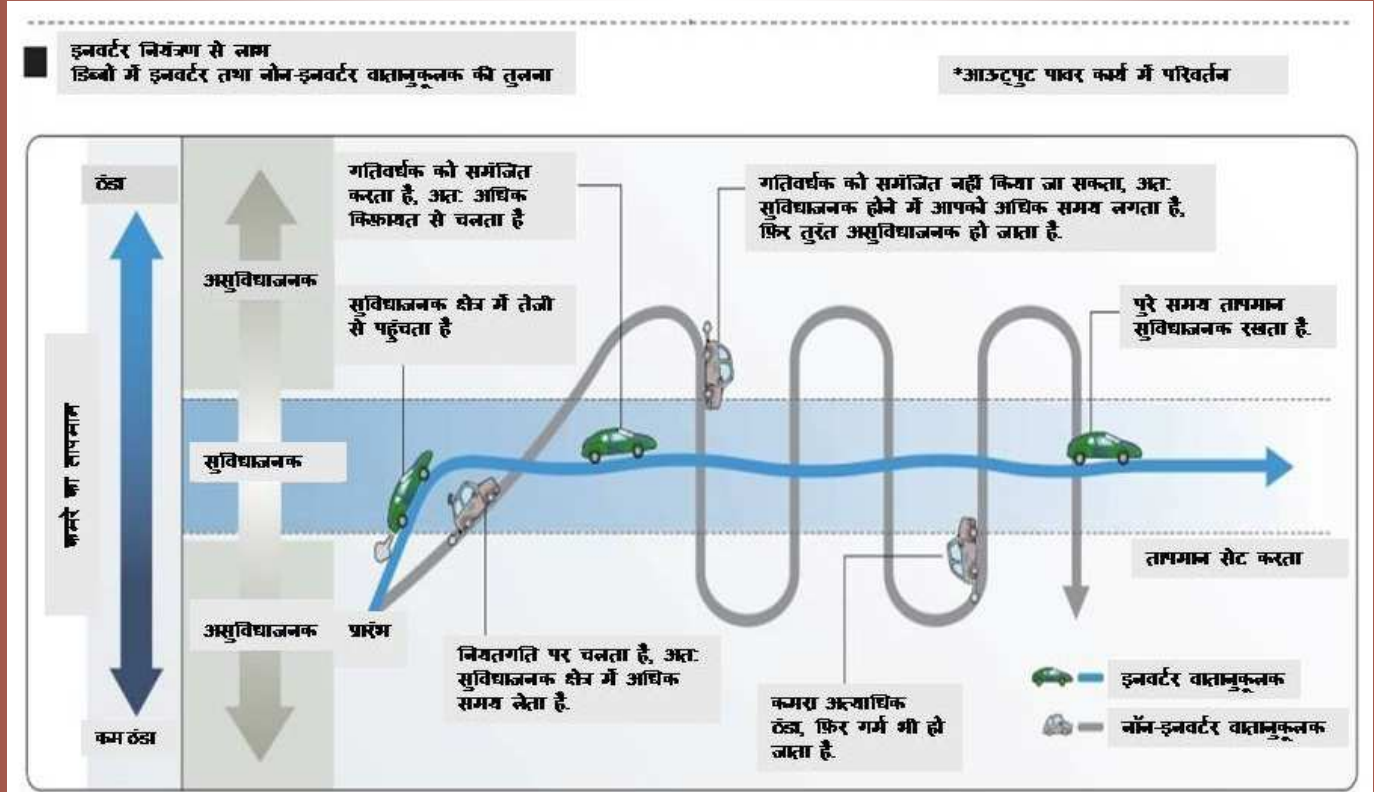
### इन्वर्टर तकनीक के फायदे:-

सामान्यतः एसी पीक लोड के लिए डिजाइन किया जाता है, यह कक्ष की साइज पर और इन्स्यूलेशन पर भी निर्भर करता है । इन्वर्टर एसी कक्ष की क्षमता को ध्यान में रखते हुए निरंतर कम्प्रेसर को चालू रखकर पावर नियंत्रित करता है इसी कारण यह एसी अपनी क्षमता को नियंत्रित करता है जो कि पीक केपेसिटी से कम होती है । इसी कारण यह कम विधुत की खपत करता है । नान इन्वर्टर एसी, गर्मी में तापमान को नियंत्रित करने के लिए तो उचित है परंतु अन्य समय में ओवर साइज है ।

अधिकांशतः नान इन्वर्टर एसी अधिक ठंड उत्पन्न करते हैं । इसीलिये आपने देखा होगा की यदि आप डीग्री तापमान सेट करते हैं तो 25 भी कमरे का तापमान 22 से 23 डीग्री तक हो जाता है ।



जब तापमान नियंत्रक कक्ष का तापमान 25 डीग्री होने का संकेत देता है पर तब तक गैस कम्प्रेसर होने के बाद लिक्वीड हो चुकी होती है वही लिक्वीड जैसे कक्ष के तापमान को 23 और 22 डीग्री तक कर देता है । इसके विपरीत इनवर्टर एसी कम्प्रेसर की स्पीड बदलकर कक्ष के तापमान को नियंत्रित रखता है । इसी कारण इनवर्टर एसी नान इनवर्टर एसी के मुकाबले अधिक अनुकूल है, क्योंकि यह तापमान सेटिंग को समझता है व ओवरकूल या अंडरकूल नहीं करता । इनवर्टर तकनीक के अन्य फायदे ये हैं कि ये स्टारटिंग करंट कम करता है, आवाज कम करता है और पावर फेक्टर को बढ़ाता है ।



### लाइफ सइकल लागत

इनवर्टर एसी सामान्य, एसी के मुकाबले 30% महंगे हैं परंतु यह बिजली की खपत में जबरदस्त बचत करते हैं । इसी कारण इनका उपयोग घर व कार्यालयों में बढ़ रहा है । इसी फायदे को देखते हुए एमआरवीसी ने 2 टन के 8 एसी जोगेश्वरी के बुकिंग ऑफिस में लगाये हैं । अभी तक इनकी परफॉरमेंस संतोषजनक है ।

इनवर्टर एसी की लागत ज्यादा है, परंतु पावर एफिशियेंट होने के नाते इनका उपयोग तर्कसंगत है। आइये हम बिजली बजट में सहयोग करें क्योंकि बिजली की बचत पैसे की बचत है, एवं कार्बन फुटप्रिंट को भी कम करती है ।

(अजीत शर्मा)  
कार्यकारी निदेशक (विधुत)



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

## गोरेगांव स्टेशन पर नई आर आर आई



अंधेरी से गोरेगांव के बीच हार्बर लाइन के विस्तारीकरण के लिए एमआरवीसी द्वारा नई आर आर आई का निर्माण किया जा रहा है। यह सुविधा ट्रेफिक मूवमेंट सिस्टम को अधिक सुरक्षित बनायेगी जो कि रुट सेटिंग टाइप मैथेड द्वारा सिगनल क्लियरेंस में मदद करेगा।

**गोरेगांव स्थित आर आर आई की विशेषताएं।**

1. इसमें 150 रुट समाहित है।
2. चार रूपी सिगनल प्रक्रिया लगाई जा चुकी है।
3. बेहतर दृश्यता व अधिक समय के लिए उपयोगी बनाने के लिए एलईडी टाइप सिगनल लगाये गये हैं।
4. ट्रेन डिटेक्शन सिस्टम दोहरा (अर्थात डीएसी व एएफटीसी) के कारण समानान्तर एवं एसी ट्रेक्शन के अनुकूल लगाया गया है।
5. पाइन्टस के परिचालन के लिए आईआरएस टाइप पाइंट मशीन लगायी गयी है जो कि परतदार एवं पृथक अतिरिक्त डिटेक्शन सर्किट से लैस है।

गोरेगांव स्टेशन पर लगाया गया नया आर आर आई नई हार्बर लाइन सहित कुल 7 स्टेबलिंग लाइन को जोड़ेगा। यह नई आर आर आई प्रणाली गोरेगांव पर सिगनल की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता को बढ़ायेगी, मौजूदा प्रणाली 25 वर्ष पुरानी हो चुकी है और उसे प्रति-स्थापन की आवश्यकता थी।

(संजय सिंह)

महाप्रबंधक, एसएंडटी



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



## उड्डयन पुल (आरओबी) मुंब्रा

पुराने राष्ट्रीय महामार्ग 4 पर मौजूदा उड्डयन पुल के बाँयी तरफ (क्रीक साइड में) नया पुल बनाया जा रहा है जो कि दो मौजूदा एवं दो नई रेलवे लाईन के उपर से गुजरेगा । यह पुल 160 मीटर रेडियस पर बनाया जा रहा है जो कि राष्ट्रीय महामार्ग 4 पर स्थित मुंब्रा बाईपास के करीब नीचे उतरता है । यह पुल एक ओर मुंब्रा क्रीक से 10 मीटर की दूरी पर एवं दूसरी ओर पारसिक पर्वत है इस पुल के खर्बे एवं आधार तीसरी व चौथी रेलवे लाइन के बिल्कुल नजदीक है । सब स्ट्रक्चर कार्य 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है एवं आरसीसी का शटरिंग कार्य प्रगति पर है । रेल ट्रेक के उपर पुल के आधार बिछाने के लिए फेब्रिकेट का कार्य 50 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है ।

पादचारी पुल- कलवा एवं मुंब्रा रेलवे स्टेशनो पर नव निर्मित 5वीं व 6वीं लाइन के ऊपर पादचारी पुल बनाने का कार्य योजनावित्त किया जा रहा है ।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



(श्री राजीव वर्मा)  
उप मुख्य अभियंता



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



## “स्वच्छ भारत अभियान”

दिनांक 2 अक्टूबर, 2014 को एमआरवीसी में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किये गये स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सफाई अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम माननीय अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की फोटो के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की। तत्पश्चात माननीय अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा सभी कर्मचारियों को “स्वच्छ भारत अभियान” की शपथ दिलायी गई एवं सफाई अभियान की शुरुआत की गयी जिसमें कार्यालय, स्टेशन एवं एमआरवीसी की स्वास्थ्य इकाईयों पर भी शपथ व स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

## सतर्कता जागरूक सप्ताह

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार एमआरवीसी द्वारा दिनांक 27.10.2014 से 01.11.2014 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया ।

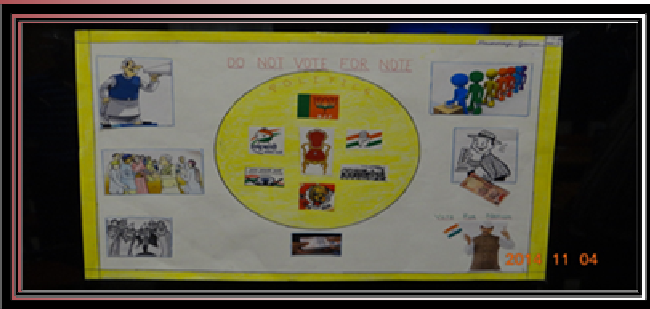
इस सप्ताह के दौरान मुख्यतः निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

दिनांक 27.10.2014 को सुबह 10.30 बजे सभी अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा सतर्कता शपथ ली गई । सतर्कता जागरूकता सप्ताह संबंधी पोस्टर व बैनर जगह-जगह पर लगाये गये । कोम्बेंटिंग करप्शन-टेक्नोलॉजी एज एन नेबलट अथवा वॉट केन बी डन टू कट आऊट करप्शन फ्रॉम इंडियन सोसायटी " जैसे गंभीर विषय पर निबंध का आयोजन किया गया ।

एमआरवीसी के स्टाफ के लिए "वी द पिपुल ऑफ इंडिया आर रिस्पॉन्सीबल फॉर करप्शन इन इंडिया" विषय पर वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।



'एंटी करप्शन' विषय पर एमआरवीसी के अधिकारियों/कर्मचारियों व बच्चों के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।



दैनिक विजिलेन्स क्विज का आयोजन दिनांक 27.10.2014 से 01.11.2014 तक योजना किया गया। दिनांक 04.11.2014 को समापन समारोह का आयोजन किया जिसमें सभी विजेताओं को अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक महोदय के हाथों पुरस्कार दिये गये । स्पोर्ट क्विज़ का आयोजन किया गया एवं सीवीसी/रेलवे बोर्ड द्वारा जारी सक्यूलर्स का विमोचन किया गया एवं उन्हें एमआरवीसी की वेबसाइट पर अपलोड भी किया गया।

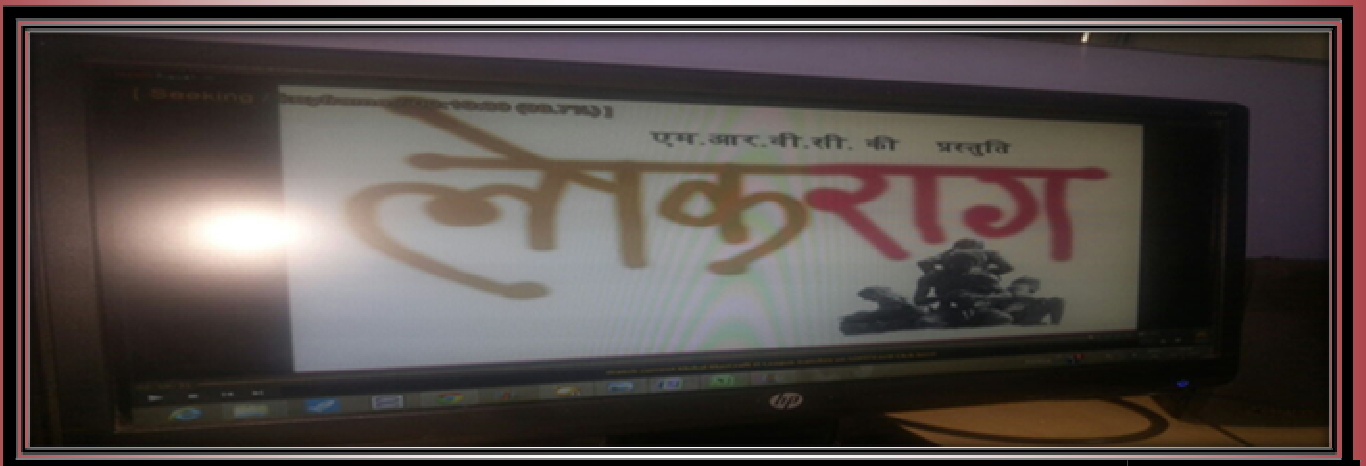


मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014





सतर्कता जागरूक सप्ताह के समापन दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए एमआरवीसी द्वारा बनायी गयी लघु फिल्म "लोकरंग" को दिखाया गया । जिसे सभी अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा सराहा गया।



कुलदीप जैन  
उप मुख्य सतर्कता अधिकारी  
व उप मुख्य विधुत अभियंता-III



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

## जरा दिल खोलकर हँसिए

महात्मा गांधी ने कहा था .... "हंसी मन की गांठे बड़ी आसानी से खोल देती है । मेरे मन की ही नहीं तुम्हारे मन की भी"

आप एक बार अपने आप से पूछें कि आपने पिछली बार ठहाका कब लगाया था । शायद आप को यह याद भी न हो क्योंकि ठहाका लगाये तो सदियों बीत गये । हम भूल गये बचपन के वो उन्मुक्त दिन, हंसना, खिल-खिलाना, भागना-भगाना और शरारतें करना । उन दिनों हमेशा चेहरे पर मुस्कान रहती थी और जरा-जरा सी बात पर किलकारियां । लेकिन आज ऐसा क्या हो गया है कि सब ने चुप्पी साध ली है । बातें खुस-फुसाहट में होती हैं । ऐसा लगता है मानों दुनिया में गम के सिवा कुछ बचा ही नहीं ।

एक दिन मैंने यह ठान लिया कि अपने पड़ोसियों से इसका कारण जान कर रहूंगा । पहला धावा मैंने गुप्ता जी पर बोला । 'क्यों गुप्ता जी आज-कल आप जरा सीरियस से दिखते हैं कोई परेशानी है क्या ?' 'क्या मतलब?' गुप्ता जी ने मुझे घुड़का । "नहीं-नहीं यूँ ही पूछ रहा था । आप की हंसी और मुस्कुराहट के बहुत दिनों से दीदार नहीं हुए तो जिज्ञासा-वश पूछ लिया और कोई बात नहीं ।' मैंने सफाई देते हुए कहा ।

दूसरा प्रयास मैंने शर्मा जी पर किया । उन्होंने भी जमकर मुझे लताड़ा 'क्यों अच्छा-भला मूड खराब कर रहे हो अपना काम क्यों नहीं करते?' मैं असमंजस में पड़ गया आखिर क्या कारण है कि अच्छे-खासे इंसान हंसी ठहाकों से मरहूम हो गये हैं। क्या विवशता हो सकती है उनकी? क्या जिंदगी इतनी बोझिल हो गयी है कि ठहाकों के लिए वक्त ही नहीं मिलता या फिर हंसने से सेहत पर विपरीत असर पड़ता है । समझ नहीं आ रहा था मुझे इसका उत्तर ।

एक दिन अचानक मुझे एक हास्य कवि सम्मेलन में शिरकत करने का मौका मिला । एक से बढ़कर एक हास्य कवियों ने मजेदार गुदगुदाने वाली कविताएं सुनाई । सभी हंस-हंस कर लोट-पोट हो रहे थे तभी मुझे उस भीड़ में एक शख्स नजर आया जो बहुत मशिकल से हंसने का प्रयास तो कर रहा था मगर हंसी ने तो ना निकलने की ठान ली थी । उस व्यक्ति का चेहरा देखकर मुझे आश्चर्य हुआ कि इतने खुशगवार माहौल में वह इतना सख्त क्यों है । मैंने कारण जानने के लिए कोशिश की वह करता क्या है, रहता कहां है इत्यादि-इत्यादि । पता चला जनाब शहर में एक बड़े सरकारी ओहदे पर आसीन हैं और अपनी हैसियत और ओहदे का ख्याल रखकर ही वो अपने हाँठ फैलाते या सिकोड़ते हैं ताकि दूसरे यह न समझें कि साहब बड़े हंसमुख व मिलनसार हैं। लोगों को यह लगना चाहिए कि साहब बहुत कड़क हैं और उनसे पंगा लेने की कोशिश मत करना अन्यथा बहुत बुरा होगा । इसका मतलब क्या यह था कि बाकी लोग जो ठहाके लगा रहे थे वो बेगैरत और बेकार इंसान थे । उनकी समाज में कोई हैसियत नहीं थी । उनको अपने पद-ओहदे का कोई ख्याल नहीं था।

यह कैसी बिडम्बना है कि हम यह मानने लगे हैं कि आप जितना सीरीयस दिखेंगे लोग आप से उतना ही डरेंगे और आपकी इज्जत में उसी अनुपात में इजाफा होगा । अगर आप सदा हंसते- मुस्कुराते नजर आते हैं तो लोग आपको हल्के में लेते हैं, और आपकी इज्जत, रौब-रूतबे में उसी अनुपात में कमी आ जाती है । कई लोग चुटकुलों पर भी नहीं हंसते । खुलकर हंसे तो बेवकूफ, न हंसे तो समझदार । वाह रे भाई वाह क्या कहने आपके।



आप हंसेगें तो दुनिया आपके साथ हंसेगी । आप एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करेंगे । रोजमर्रा के तनाव से मुक्ति मिलेगी । चेहरे की मांस पेशियां खिंचेंगी तो उनकी भी कसरत हो जायेगी।फेफड़े भी फूलेंगे, ज्यादा ऑक्सीजन लेंगे । अधिक ऊर्जा का संचार होगा, रक्त प्रवाह द्रुत होगा, शरीर चुस्त होगा, मन प्रफुल्लित होगा, गम और तनाव गायब होंगे और भोजन सही तरह से हजम होगा । हंसने के इतने सारे फायदे हैं तो हम सभी ठहाके क्यों नहीं लगाते ? क्यों चुपचाप रहते हैं ? जरा सोचिए और एक प्रयास कीजिए कि आज के बाद आप जरा-जरा सी बात पर हंसेगें और एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेंगे जो दूसरों को भी प्रसन्न रखेगा ।

यह जिंदगी हंसते-खेलते हुए जीने के लिए है । चिंता, भय, शोक, क्रोध, निराशा, ईर्ष्या, तृष्णा व वासना में बिलखते रहना मूर्खता है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से दिल खोलकर हंसना, मुस्कुराते रहना और चित्त प्रफुल रखना दवा है । मानसिक स्वास्थ्य के लिए किसी तार्किक प्रक्रिया की अपेक्षा खूब जोर से हंसना अधिक हितकारी होगा । सौ वर्ष जीने के लिए अपने चारों ओर हंसमुख मित्रों का गिरोह रखिए । मानव ही केवल एक ऐसा प्राणी है,जिसमें हंसने की शक्ति होती है । हंसने की शक्ति ईश्वर द्वारा मनुष्य को इसलिए प्रदान की गई है क्योंकि वह क्षणभर में अपने दुख-दर्द से मुक्ति पा सके । आनन्दोल्लास के कारण ही मनुष्य तमाम प्रकार की शारीरिक दुर्बलताओं से बचा रहता है । उस दिन को आप बेकार समझें जिस दिन आपने हंसा नहीं । अगर आप हंसेगें तो संसार हंस पड़ेगा, किन्तु रोते समय अकेले ही रोना पड़ेगा । उन्मुक्त अट्टहास नई प्रेरणा, स्फूर्ति और विचारों का श्रोत है ।जिस प्रकार वनस्पतियों के लिए खुली धूप की जरूरत होती है,उसी प्रकार मनुष्य के लिए हंसना टॉनिक का काम करता है ।

(प्रभात रंजन)  
मुख्य परिचालन प्रबंधक



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

## सोशल नेटवर्किंग : वरदान या अभिशाप

(प्रथम पुरस्कृत निबंध -अधिकारी वर्ग )

यदि आप अपने बचपन के मित्रों से संपर्क साधना चाहते हों, या आपको विदेश में पढ़ाई करती हुई अपनी बेटी के चित्र आए-दिन देखने की इच्छा होती हो, या फिर आप अपने सहकर्मियों की छुट्टियों की झाकियां देखना चाहते हों, उनके नित्य नूतन विचारों से अवगत रहना चाहते हों तो सोशल नेटवर्किंग आपके लिए वरदान है । परंतु सावधान रहे, यह आँकड़ा उस समय अचानक बदल सकता है जब सोशल नेटवर्किंग जैसा आकर्षक व जादुई हथियार आपके हाथ में हो और आप एक बालक या बालिका मात्र हों । उस समय यह वरदान एक अभिशाप बन सकता है, विशेषतया तब जबकि इस जादुई माध्यम के उपयोगकर्ता को उस सीमा का ज्ञान न हो जिस सीमा के भीतर सोशल नेटवर्किंग पर बिताया गया समय ही उचित होता है ।

मेरा अपना विचार यह है कि सोशल नेटवर्किंग एक अभिशाप है । आज आयु की प्रत्येक परिधि को लाँघकर सोशल नेटवर्किंग के जाल ने हम सबको अपने पास में ले लिया है । हम सड़क पर चल रहे हैं किंतु हमारी उंगलियाँ फोन के बटनों में उलझी हुई हैं । हम आकाश में उगते हुए चाँद के सौंदर्य को नहीं देख सकते, क्षितिज पर अस्त होते हुए सूरज की लालिमा को नहीं देख पाते और न ही रात के आँचल में विखरे तारों के रुपहले रूप को देख पाते हैं । मॅरीन ड्राइव पर दूर में आई हुई लहरों का कोलाहल हमें सुनाई देना बंद हो गया है । फूलों के रंगों को और गीतों के सुरों को हम फोन में कैद तो कर सकते हैं पर हमारे पास इतना समय नहीं है कि हम उनके सौंदर्य का आनंद कुछ पल थम कर उठा सकें । मित्रों का संसर्ग होता है तो होता रहे, हमारा ध्यान 'स्टेटस अपडेट' पर लगा रहता है । जो हमसे दूर है, हम उनके पास रहने के लिए सब कुछ करने को तैयार हैं, पर जो हमारे पास हैं, वे हमें अनदिखे लगते हैं । आप कहेंगे, यह तो कोई अभिशाप नहीं और शायद आप सच कहते हैं । पर यह तो अभिशाप है कि एक बच्चा सड़क पार करते समय भी फेसबुक के प्रलोभन से जूझ नहीं पाता और सड़क पार करने में लापरवाही कर जाता है । या एक नौजवान को लोकल ट्रेन का हॉर्न नहीं सुनाई देता क्योंकि उसे फेसबुक पर अपनी माशूका की तस्वीर दिखती है, वह नौजवान फोन इस्तेमाल करते हुए ट्रेक पार करता है और आपका कलेजा मुँह को आ जाता है । एक मासूम लड़की है जो सोशल नेटवर्किंग के आकर्षण के कारण रात को समय से सोती नहीं हैं, उसने अपनी पढ़ाई तक रख दी है ताकि उसका सोशल नेटवर्किंग स्टेटस ठीक-ठाक बना रहे ।

सबसे अधिक अभिशप्त तो वे लोग हैं जो कि मानवीय सान्निध्य के महत्व को किनारे रखकर मात्र 'वर्चुअल' दुनिया में रहते हैं । फिर अचानक कष्ट और मुसीबत के अवसाद से जूझने के लिए जब उन्हें अपनी मित्रों का सहारा चाहिए होता है किंतु आस-पास कोई नजर नहीं आता, तो वे हिम्मत हार बैठते हैं । कई बार तो वे ऐसे अवांछनीय कदम उठा लेते हैं जिनकी कभी कोई आवश्यकता न थी ।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



संभव है कि आप कहें की यह मानसिकता ठीक नहीं है । किंतु मेरा यह मानना है कि हम प्रकृति के अनेक नियमों को पहले ही तोड़ चुके हैं। नैतिकता के लालच में आकर हमने ऐसे शहर और घर बना लिए हैं जहाँ हर कोई परेशान है, जहाँ एक दूसरे के लिए समय निकालना दुश्वार हो गया है । इस नकली सामाजिकता को बदलने की जगह पर यदि हम सोशल नेटवर्किंग जैसे साधनों पर और अधिक निर्भर करने लगें, तो यहाँ से निकलना असंभव तो नहीं, पर कठिन अवश्य हो जाएगा । दूसरी ओर यदि हम अपना समय और स्नेह उन लोगों पर केंद्रित करने लगें जो हमारे अपने हैं जो हमारे आस-पास, तो हमारा परिवार और सशक्त होगा । तब हमें अपने परिवार के सदस्यों की आवश्यकताएँ व समस्याएँ पता रहेंगी और हम उनके कष्टों के निवारण का हिस्सा बन सकेंगे ।

सोशल नेटवर्किंग को एक अभिशाप के रूप में देखने का मेरा मुख्य कारण यह है कि इस साधन में जो समय और ऊर्जा बिताई जाती है उसे यदि हम रचनात्मक कार्यों में बिताएँ तो बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं । हाँ यदि पढ़ाई, नौकरी, शारीरिक श्रम और अपने उत्तरदायित्वों को निभाते हुए भी कोई व्यक्ति सोशल नेटवर्किंग का उपयोग करता है तो उसमें कोई बुराई नहीं । और यदि एक व्यक्ति उस माध्यम से देश के जनसाधारण से संपर्क स्थापित करता है, उनके विचारों और भावनाओं को समझने का प्रयास करना है और फिर उस आधार पर वह व्यक्ति देश को प्रगतिशीलता और पारदर्शिता के मार्ग पर अग्रसर करता है, तब तो सोशल नेटवर्किंग एक वरदान मात्र है ।

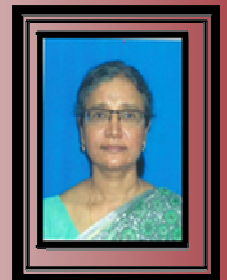
निर्णय आपके हाथ में हैं, चाहें तो वरदान लें, चाहें तो अभिशाप लें...

**स्मृति वर्मा**

वित्त सलाहकार

एवं

मुख्य लेखा अधिकारी



नया सवेरा एक नई किरण के साथ  
नया दिन एक प्यारी मुस्कान के साथ  
आपको ये नया साल मुबारक हो  
मेरी ढेर सारी दुआओं के साथ



**मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014**

## कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी व संपोषणीयता (सीएसआर व एस)

सीएसआर व एस के अन्तर्गत चलायी जानी वाली स्वास्थ्य इकाईयों मानखुर्द व गोवंडी पर सितम्बर 2014 से नवम्बर 2014 के दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें दिनांक 12 सितम्बर 2014 को लल्लूभाई कम्पाउंड, मानखुर्द स्थित स्वास्थ्य इकाई पर घुटने एवं पीठ दर्द से संबंधित बीमारियों के इलाज व बचाव के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया जिसका लाभ 30 मरीजों ने उठाया। इस शिविर में डॉ. ने मरीजों को तस्वीरे एवं विडियो के जरिये दर्शाया कि किन कारणों से हमारे घुटने एवं पीठ की तकलीफ प्रारंभ होती, किस प्रकार से इनका बचाव किया जा सकता है एवं किस प्रकार से इन तकलीफों से निजात पाई जा सकती है। किस प्रकार फिजिओथेरेपी की मदद से इन बीमारियों को ठीक किया जाता है। डॉ. अंकिता जो कि लल्लूभाई कम्पाउंड स्थित स्वास्थ्य इकाई पर फिजियोथेरेपिस्ट के तौर पर कार्यरत है उन्होंने इस शिविर का संचालन किया।



दिनांक 16 सितम्बर 2014 को नटवर पारिख स्थित स्वास्थ्य इकाई पर डिवॉर्मिंग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 8 से 45 वर्ष की आयु वर्ग के 182 बच्चों व वयस्कों ने भाग लिया। शिविर के दौरान पिरीयोडिक डिवॉर्मिंग पर विशेष चर्चा की गई। विटामिन ए, आयरन एवं एलबेन्डेज़ोल गोलियों का वितरण भी शिविर के दौरान आवश्यक मरीजों को किया गया।



दिनांक 22 सितम्बर 2014 से 30 सितम्बर 2014 के दौरान लल्लूभाई कम्पाउंड एवं नटवर पारिख कम्पाउंड में स्थित विद्यालयों में बच्चों का सामान्य शारीरिक जाँच दंत जाँच के लिए, शिविर आयोजन किये गये। जिसमें लगभग 200 बच्चों का परीक्षण किया गया एवं उन्हें आवश्यकता अनुसार इलाज व सावधानियों के बारे में बताया गया।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



दिनांक 2 अक्टूबर 2014 अर्थात गांधी जयंती के अवसर पर नटवर पारिख कम्पाउंड में आई स्क्रीनिंग कैप (आँखों की जाँच शिविर) का आयोजन किया गया । जिसमें 40 मरीजों ने हिस्सा लिया जिसमें 14 मरीज रिफ्रेक्टिव एरर, 12 आँख इन्फेक्शन 5 कंटेरेक्ट, 4 फान्टल सिरदर्द व 11 अन्य बीमारियों से पिड़ित मरीजों को सलाह दी गई एवं इलाज के लिए रिफर किया गया ।



दिनांक 2 अक्टूबर 2014 को ही दाँत चेकअप शिविर का भी आयोजन किया जिसमें 28 मरीजों ने भागीदारी की ।



दिनांक 11 नवम्बर 2014 को एमआरवीसी की स्वास्थ्य ईकाई लल्लूभाई कम्पाउंड मानखूँद का 1 वर्ष पूर्ण हो गया इस अवसर पर डाइबिटिज स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 280 लोग लाभाविंत हुए उनमें से 88 लोगों की डाइबिटिज से ग्रसित पाया गया इस शिविर में इन लोगों को बताया गया कि किस प्रकार शुगर को नियंत्रित रखा जा सकता है ।

एक वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक महोदय श्री राकेश सक्सेना एवं मिसेज सक्सेना, निदेशक परियोजना श्री आर एस खुराना, निदेशक वित्त श्री बी.के. मेहरा, मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती अलका मिश्रा, मुख्य



**मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014**



प्रबंधक श्री अनंग पाल मलिक, उप मुख्य अभियंता, श्री राजीव वर्मा, उप मुख्य विधुत अभियंता, श्री कुलदीप जैन एवं वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी श्रीमति स्मृति जैकब ने हिस्सा लिया ।



दिनांक 28.11.2014 को वर्ल्ड बैंक की ओर से मिस कार्ला गोन्जालेज कारवाजल, मैनेजर, ट्रांसपोर्ट सेक्टर, दक्षिण एशिया द्वारा स्वास्थ्य ईकाई, लल्लूभाई कम्पाउंड का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण उपरांत उन्होंने स्वास्थ्य ईकाई की गतिविधियों पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी उपस्थित 'डॉक्टर फॉर यू' के डाक्टर्स, कर्मचारियों एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी महोदय का धन्यवाद किया इस अवसर पर निदेशक परियोजना एवं श्री अतुल अग्रवाल, ट्रांसपोर्ट विशेषज्ञ, वर्ल्ड बैंक भी उपस्थित थे ।



#### कौशल क्षमता:-

एमआरवीसी ने अपनी सीएसआर व एस गतिविधियों के अंतर्गत लल्लूभाई कम्पाउंड स्थित स्वास्थ्य ईकाई पर महिलाओं के लिए "महाराष्ट्र उद्योग विकास संस्थान" (मिडी) के सहयोग से "सिलाई व कढ़ाई" का प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया था । जिसमें से 60 महिलाओं का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है एवं 20-20 के दो बैचों में 40 महिलाओं का प्रशिक्षण जारी है ।

एमआरवीसी की स्वास्थ्य इकाई के प्रथम वार्षिकोत्सव पर दिनांक 11/11/2014 को प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी सभी 100 महिलाओं को आमंत्रित किया गया था । जिनमें से उन महिलाओं का जिन्होंने अपना प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया है एवं उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे मशीन खरीद सके । ऐसी 10 महिलाओं का चुनाव कर अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक महोदय ने मशीन उपहार स्वरूप भेट की ताकि ये महिलायें घर में कार्य प्रारंभ कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार सकें ।

दिनांक 05.11.2014 से पुरुषों के लिए शुरू किया जाने वाला मोटर ड्रायविंग कोर्स प्रारंभ किया गया है । जिसमें प्रथम बैच में 20 पुरुष प्रशिक्षुओं ने भाग लिया है । शीघ्र ही अन्य 20 पुरुषों का दूसरा बैच भी प्रारंभ किया जाएगा। एमआरवीसी द्वारा 'पुनर्वास व पुर्नस्थापित क्षेत्र' के लोगों का उत्थान पूर्ण तन्मयता के साथ जारी है ।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

## एम्पलाई ऑफ द मंथ -अगस्त 2014

अगस्त महीने का एम्पलाई ऑफ द मंथ पुरस्कार 4 कर्मचारियों/अधिकारियों को दिया गया ।

### 1. श्री एन्ड्री सेबस्टिन, सहायक लेखा सलाहकार



श्री एन्ड्री बहुत ही ईमानदार स्वच्छ छवि वाले एवं निष्ठावान अधिकारी है । फाइनैस प्रोपोजल की डिलिंग के सत्यापन जैसे एस्टीमेट, बिड डॉक्यूमेंट्स, एलओए, कान्ट्रेक्ट एग्रीमेंट वेरियेशन्स ब्रिकिंग, नोट्स कम्पेरेटिव स्टेटमेंट आदि को बहुत ही सकारात्मक तरीके से डील करते है ।

निरपेक्षता पूर्वक कार्य करते हुए श्री एन्ड्री ने ट्रांसपास कंट्रोल एवं विविध बहुसंख्यक सारणी का सावधानी पूर्वक इस्तेमाल कर बुद्धिमानी का परिचय दिया, अपितु हाल ही में ऑर्गनाइजेशन के लिए 59 लाख रुपये बचत भी करवायी ।

श्री एन्ड्री स्वेच्छा से अतिरिक्त उत्तरदायित्व लेते हैं एवं उसका सफलतापूर्वक निर्वाह भी करते हैं । इसी कारण श्री एन्ड्री सेबस्टिन को माह अगस्त, 2014 के 'एम्पलाई ऑफ द मंथ' का पुरस्कार दिया गया।

### 2. श्री जी.के.भट्टाचार्य, परामर्शदाता



दो प्रोटोटाइप 12 कार ईएमयू रेक जो कि मैसर्स बीटी इलेक्ट्रिक्स द्वारा सुसज्जित की गई थी और अक्टूबर-नवम्बर 2012 में एमयूटीपी-2“ए” के तहत आईसीएफ से प्राप्त हुई थी । इन ईएमयू का टेस्ट एवं ट्रायल आरडीएसओ एवं मैसर्स बीटी द्वारा मध्य एवं पश्चिम रेलवे पर किया गया जिसे आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित भी किया गया । इन सब टेस्ट एवं ट्रायल की कवायद श्री भट्टाचार्य द्वारा व्यक्तिगत रूप से मध्य एवं पश्चिम रेलवे में प्रयास करने से ही संभव हो पाया । श्री भट्टाचार्य ने ही सी आरएस/मध्य सर्कल व सीआरएस/पश्चिम सर्कल से पत्राचार किया तथा आवश्यकता पड़ने पर फील्ड ट्रायल के लिए भी गए ।

इसके साथ ही श्री भट्टाचार्य एमआरवीसी ऑफिस में विभिन्न फील्ड ट्रायल का रिकॉर्ड भी मॉटेन करते हैं । इनके कठिन प्रयास एवं कर्तव्य परायणता से ही सभी ट्रायल समय पर पूर्ण हो सके । इसी कारण श्री जी.के. भट्टाचार्य को माह अगस्त 2014 का एम्पलाई ऑफ द मंथ पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

### 3. श्री टी.सी. फ्रांसिस वरिष्ठ अनुभाग अभियंता



श्री टी.सी.फ्रांसिस ने आईसीएफ से एमयूटीपी-॥ ए के तहत मैसर्स बी.टी. इलेक्ट्रीक्स द्वारा सुसज्जित ,प्रोटोटाइप 12 कार रेक की ट्रायल एवं टेस्टिंग में सहयोग किया जो कि आरडीएसओ और मैसर्स बी.टी. द्वारा मध्य एवं पश्चिम रेलवे पर या गया था एवं आरडीएसओ द्वारा ट्रायल अनुमोदित किया गया था ।

श्री फ्रांसिस द्वारा 53 ट्रायल जो कि अधिकांशतः रात में किये गये जिसके लिये उन्होंने न केवल सर्पोटी स्टाफ को समय पर बुक किया बल्कि मध्य व पश्चिम रेलवे के ट्रैफिक और परिचालन विभाग से भी कोर्डिनेट किया साथ ही ट्रायल रेक को सही समय एवं स्थान पर पहुंचाने की जिम्मेदारी भी निभाई । इसके साथ ही इन्होंने इंजिनियरिंग विभाग के सहयोग से ईएमयू रेक को एसडीसीए कंडीशन में लोडिंग व अनलोडिंग भी करवाया ।

श्री टी.सी. फ्रांसिस के अभूतपूर्व प्रयासों से ट्रायल सही समय पर पूर्ण हो पाये ।

श्री टी.सी. फ्रांसिस की इसी क्षमता एवं कार्य कुशलता के लिए इन्हें माह 'अगस्त 2014' का एम्पालाई ऑफ द मंथ चुना गया ।

### 4. श्री सुरेश आर. वारा, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता



श्री सुरेश आर. वारा ने आईसीएफ से एमयूटीपी-॥ ए के तहत मैसर्स बी.टी. इलेक्ट्रीक्स द्वारा सुसज्जित , प्रोटोटाइप 12 कार रेक की ट्रायल एवं टेस्टिंग में सहयोग किया जो कि आरडीएसओ और मैसर्स बी.टी. द्वारा मध्य एवं पश्चिम रेलवे पर या गया था एवं आरडीएसओ द्वारा ट्रायल अनुमोदित किया गया था ।

श्री सुरेश आर. वारा 60 ट्रायल जो कि अधिकांशतः रात में किये गये जिसके लिये उन्होंने न केवल सर्पोटी स्टाफ को समय पर बुक किया बल्कि मध्य व पश्चिम रेलवे के ट्रैफिक और परिचालन विभाग से भी कोर्डिनेट किया साथ ही ट्रायल रेक को सही समय एवं स्थान पर पहुंचाने की जिम्मेदारी भी निभाई । इसके साथ ही इन्होंने इंजिनियरिंग विभाग के सहयोग से ईएमयू रेक को एसडीसीए कंडीशन में लोडिंग व अनलोडिंग भी करवाया ।

श्री सुरेश आर. वारा के अभूतपूर्व प्रयासों से ट्रायल सही समय पर पूर्ण हो पाये ।

श्री सुरेश आर. वारा की इसी क्षमता एवं कार्य कुशलता के लिए इन्हें माह 'अगस्त 2014' का एम्पालाई ऑफ द मंथ चुना गया ।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



सितम्बर महीने का एम्पलाई ऑफ द मंथ पुरस्कार 2 कर्मचारियों को दिया गया ।

1. श्री मैथ्यूस चाको, मुख्य कार्यालय अधीक्षक सामान्य



श्री मैथ्यूस चाको सामान्य प्रशासनिक विभाग की विभिन्न गतिविधियों का संचालन करते हैं । वह विभिन्न सेवा करार, जैसे- वाहन किराये पर लेना, विभाग - यात्रा सुरक्षा करार, हाऊस कीपिंग, पेस्ट कंट्रोल इत्यादि का कार्य करते हैं एवं इन सभी के मासिक बिलों का निपटारा भी समय पर करते हैं । इनके द्वारा ही एमआरवीसी के अधिकारी के साथ एमपीए स्टाफ की नियुक्ति की जाती है । माह अगस्त/सितम्बर 2014 के दौरान इन्होंने एमआरवीसी के कार्यालय की सफाई करवाने में बढ़ चढ़ कर स्वेच्छा से भाग लिया एवं सफाई कार्य में भरपूर सहयोग किया । इन्होंने एमआरवीसी कार्यालय में बेकार पड़े 56 फर्निचर की पहचान कर उन्हें स्क्रैप एवं डिस्पोज किया । इन्होंने सभी भागों को सहयोग कर पुराने रिकॉर्ड को बांद्रा स्थित रिकॉर्ड कक्ष तक पहुंचावाया । श्री मैथ्यूस लगातार रिकॉर्ड कक्ष का निरीक्षण करते हैं एवं उसकी साफ-सफाई करवाते हैं । इन्हीं के प्रयासों से कार्यालय के उतरी हिस्से में स्थित सिढ़ियों का कचरा हटवाकर सफाई करायी गयी ।

एमआरवीसी के "स्वच्छ भारत अभियान" को कार्यान्वित करने एवं सफल बनाने में श्री मैथ्यूस का विशेष योगदान रहा । इसी सराहनीय कार्य के लिए श्री मैथ्यूस चाको को सितम्बर 2014 का एम्पलाई ऑफ द मंथ दिया गया ।

2. श्रीमती वैशाली गोसावी, सहायक प्लानिंग प्रबंधक, (बाहरी स्रोत )



जो कि प्लानिंग विभाग में कार्यरत है को दिनांक 01 से 05 सितम्बर 2014 तक "कार्यान्वित सहायता अभियान" के दौरान वर्ल्ड बैंक के अधिकारियों के साथ इन्हें सौंपे गये कार्य को स्वेच्छा रूप से पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा किया । श्रीमती वैशाली प्रोब्यूरमेंट प्लान इम्प्लेमेंटेशन मैनुअल तैयार करती हैं एवं वर्ल्ड बैंक अधिकारियों द्वारा मांगे जाने वाली जानकारी व कागजात समय पर उपलब्ध करवाती हैं ।

इन्होंने केरल सरकार द्वारा केरल के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने के लिए न केवल कठिन परिश्रम किया अपितु समय पर रिपोर्ट तैयार करके सुपुर्द भी की । जो कि एमआरवीसी केरल सरकार को सौंपी गयी ।

इसी कार्य कुशलता के लिए श्रीमती वैशाली गोसावी, सहायक प्लानिंग मैनेजर को माह सितम्बर 2014 के लिए 'एम्पलाई ऑफ द मंथ' का पुरस्कार दिया गया ।



## एम्पलाई ऑफ द मंथ -अक्टूबर 2014

अक्टूबर महीने का एम्पलाई ऑफ द मंथ पुरस्कार 2 कर्मचारियों को दिया गया ।

### 1. श्री अनुपम शर्मा, कर्मचारी व कल्याण निरीक्षक,



श्री अनुपम शर्मा, कर्मचारी व कल्याण निरीक्षक, एमआरवीसी के लल्लूभाई कम्पाउंड स्थित स्वास्थ्य इकाई की प्रगति के लिए अथक रूप से प्रयास किया है । इन्होंने ने लल्लूभाई कम्पाउंड व नटवर पारिख की स्वास्थ्य इकाई पर अपने निरीक्षण में सिविल कार्य करवाया, वाटर प्यूरीफायर व वाटर कूलर लगावये । सीएसआर एस गतिविधि के तहत 100 महिलाओं को सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जाना तय हुआ था । श्री अनुपम शर्मा के प्रयासों से 60 महिलाओं का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है एवं 40 महिलाओं का प्रशिक्षण जारी है । दिनांक 11.11.2014 को लल्लूभाई कम्पाउंड मानखूर्द स्थित स्वास्थ्य इकाई के प्रथम वार्षिकोत्सव के दौरान किया गया आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो कि प्रशंसनीय है ।

श्री अनुपम शर्मा, कर्मचारी व कल्याण निरीक्षक के सराहनीय कार्य के लिए इन्हें अक्टूबर 2014 के 'एम्पलाई ऑफ द मंथ' से पुरस्कृत किया गया ।

### 2. श्री एस सुब्बया, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता



श्री एस सुब्बया, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुनर्नियुक्त) मुंबई सीएसटी से मानखूर्द के बीच सभी स्टेशनों पर 12 कोच रैक चलाने के लिए बढ़ाये जाने वाले प्लेटफार्म पर ओएचई रूपांतरण का कार्य सौंपा गया था । यह किंग्स सर्कस, सेन्डहर्स रोड, कार्टन ग्रीन एवं वडाला रोड स्टेशनों के ओएचई के कार्य में सम सम्मिलित थे ।

इनके कार्य में नींव बनाना, निर्माण करवाना एवं विभिन्न ओएचई घटकों को स्थापना करना सम्मिलित था । यह सब कार्य इन्हें रात्री के ब्लॉक पीरियड में लोड ट्रांसफर करना एवं ओएचई प्रोफाइलिंग करना था । यह सब कार्य इन्होंने सक्षम प्राधिकारी जैसे की मध्य रेलवे एवं कॉन्ट्रैक्टर को पूर्ण सहयोग करके किया ओएचई के स्थापना का कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण किया । यह सब कार्य इन्होंने पूरी योजना के साथ निर्धारित किये गये ब्लॉक पीरियड में पूर्ण निष्ठा के साथ कार्यान्वित किया ।

श्री एस सुब्बया, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता को उनकी इसी कर्तव्य परायणता के लिए अक्टूबर 2014 का 'एम्पलाई ऑफ द मंथ' चुना गया ।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014

### 3. श्री आर. एन. नायडू, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता



श्री आर. एन. नायडू, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुर्ननियुक्ति) को ठाणे दिवा सेक्शन की 5वीं एवं 6वीं लाईन बिछाने के लिए भूमिगत व उपरी 22 कि. वा. /2.2कि वा. को बदलने एवं अतिक्रमण हटाने का कार्य सुपुर्द किया एवं मुंबई सीएसटी मानखूर्द के प्लेटफार्म 12 कोच रेल के लिए बढ़ाने का कार्य भी आवंटित किया गया था। इनका मुख्य कार्य केबल के लिए खुदाई करवाना, केबल बिछवाना, जॉइंट करवाना टेस्टिंग करवाना एवं दिन/रात के व्यस्त सर्बबन सेक्शन में ब्लॉक पीरियड में कार्य निष्पादित किया।

इन्होंने सक्षम प्राधिकारियों जैसे मध्य रेलवे, एमएस ईडीसीएल एवं अन्य कॉन्ट्रेक्टर आदि के साथ संपर्क रखकर निर्धारित समय में अतिक्रमण हटाने का कार्य पूर्ण किया। अतिक्रमण हटाने के कार्य को एवं इंजीनियरिंग कार्य को कुशलता पूर्वक अजांम देने के लिए पूर्ण क्षमता का उपयोग किया।

श्री आर. एन. नायडू, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुर्ननियुक्ति) को उनके इसी कुशलता पूर्वक कार्य के लिए इन्हें माह अक्टूबर 2014 का 'एम्पलाई ऑफ द मंथ' पुरस्कार से अलंकृत किया गया।





## ‘चुपचाप चले जाना’

वेदना के स्वर मत फिर छेड़ जाना,  
तुम चुपचाप चले जाना ।  
तेरे जाने का किसको ना गम होगा,  
मैं भी पत्थर नहीं, मेरी भी आँखें नम होगा ।  
हँसी के गीत भी मत आज तुम गाना  
तुम चुपचाप चले जाना ।

सुख-दुख के वह बीते पल,  
याद बहुत आयेगा,  
खुशी भरी महफिल में  
अब राग कौन गायेगा ।  
शांत चित और मौन हृदय  
यह किसी को मत दिखलाना ।  
तुम चुपचाप चले जाना ।

मिलन-विरह की इस बेला में,  
यादों के इस भरे थैला में,  
खाली हाथ भले जाना ।  
तुम चुपचाप चले जाना ।

बातों ही बातों में, क्या कुछ तुम ना कह जाते थे,  
क्या कहते हम तुम से, मौन सिर्फ रह जाते थे ।  
दो पल की वह हँसी-खुशी, फिर से कभी दिये जाना।  
तुम चुपचाप चले जाना ।

परिवर्तन नियति का आधार है,  
जीवन जैसे सरिता का धार है।  
क्या रुकता कभी संसार है ?  
बाँहे फैलाये हम यहीं मिलेंगें,  
जब जी चाहे चले आना ।  
पर आज.....  
तुम चुपचाप चले जाना ।

राजेश कुमार पाठक  
वरिष्ठ अनु. अधिकारी लेखा



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



## श्रद्धांजली

श्री नरेश चंद्र, जो कि एमआरवीसी में निदेशक (तकनीकी) के पद पर कार्यरत थे, का निधन दिनांक 28.11.2014 को हृदय घात के कारण हो गया । वे अपने परिवार में पत्नी एवं दो बेटियों को छोड़ गये ।

श्री नरेश चंद्रा भारतीय रेलवे की IRSEE सेवा के 1979 UPSC बैच अधिकारी थे । एमआरवीसी में आने से पहले वे पश्चिम रेलवे में CELE, CETE एवं CEDE के महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्यरत थे । श्री नरेश चंद्रा ने विद्युत इंजीनियरिंग की डिग्री IIT रुड़की तथा स्नातकोत्तर (M Tech.) IIT Delhi से किया

श्री नरेश चंद्र एमआरवीसी में दिनांक 14.10.2008 से निदेशक (तकनीकी) के पद पर कार्यरत थे । इनके निधन से एमआरवीसी ने एक बहुत ही होनहार अधिकारी को खो दिया है जिसकी क्षतिपूर्ती असंभव है । एमआरवीसी श्री चंद्रा के द्वारा किये गये सराहनीय कार्यों को सदैव याद रखेगी । एमआरवीसी के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी दिवंगत आत्मा की चिरस्थायी शांती हेतु प्रार्थना करते हैं ।



मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड – विकास पथ दिसम्बर-2014



# विकास पथ

सितम्बर - दिसम्बर 2014

मुंबई रेलवे विकास कोर्पोरेशन